डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 164 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 31 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

कल से समाप्त हो जाएगा संपदा 1.0 का सफर

अब नए वर्जन संपदा 2.0 पर ही होगी रजिस्ट्री

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ आज 01 अप्रैल से ई-रजिस्ट्री पोर्टल संपदा 1.0 बंद किया जा रहा है। इस संबंध में आईजी पंजीयन कार्यालय ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। अब संपत्तियों की रजिस्ट्री और दस्तावेजों का पंजीयन संपदा 2.0 पोर्टल के माध्यम से ही होगा। अप्रैल 2024 में संपदा 2.0 का परीक्षण चार जिलों में शुरू हुआ था। अब 100 का हो या 500 का, सारे स्टाम्प संपदा-2 से ही निकालना होंगे। साथ ही संपदा-1 में अगर क्रेडिट लिमिट बची है तो वो भी खत्म हो जाएगी।

अभी संपदा सॉफ्टवेयर से जितनी रजिस्ट्रियां बुक नहीं होतीं, उससे ज्यादा तो ई-स्टाम्प निकलते हैं। रोज जहां 50 से 60 रजिस्ट्रियां होती हैं। वहीं हजारों के ई-स्टाम्प एक ही दिन में निकल जाते हैं। चूंकि संपदा-1.0 में स्टाम्प निकालना आसान है। वहीं छूट के चलते कई सर्विस प्रोवाइडर इसी का उपयोग कर रहे थे। जब से पूरे प्रदेश में संपदा 2.0 लागू किया है, वहां भी दस्तावेज पंजीयन इसी पर शिफ्ट किए गए। इसी कारण अब संपदा 1.0 जरूरी नहीं रह गया। ऐसे में अब इसे पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया और आदेश जारी हुए। संपदा-2.0 को ज्यादा यूजर फ्रेंडली बनाया है। इतना ही नहीं बैंकों को भी यूजर आईडी दे दिए गए हैं। यानी अब बैंकों को रेवेन्यू टिकट या अनुबंध के लिए स्टाम्प की जरूरत होने पर वे स्वयं ही संपदा-2.0 से निकाल सकेंगे। उन्हें कोर्ट या सर्विस प्रोवाइडरों के पास आने की कोई जरूरत नहीं होगी।

लोग खुद चला सकेंगे संपदा-2.0 ...

संपदा-2.0 को इस तरह से अपडेट किया गया है कि कोई भी अपनी आईडी जनरेट कर काम कर सकेगा। इसका उद्देश्य दस्तावेज पंजीयन के काम को आसान बनाना है। अभी बदलाव देखें तो पेपरलेस प्रणाली अपनाते हुए रजिस्ट्री पीडीएफ फार्मेट में मिल रही है। आईडी वेरिफिकेशन आधार से हो रहा है। प्रॉपर्टी की लोकेशन जीयो टैग से की जा रही है और इसी से मूल्यांकन भी हो रहा। स्टाम्प पर फोटो आदि प्रिंट हो रहे हैं। संपत्तियों की खरीदी-बिक्री के लिए 500 से 1000 के स्टाम्प विक्रय पर रोक लगा दी है।

जारी आदेश के कुछ प्रमुख बिंदु...

✻ सेवा प्रदाताओं के लिए नवीन क्रेडिट लिमिट लेने की सुविधा 30 मार्च को बंद कर दी जाएगी। ✻ 31 मार्च के लिए रजिस्ट्री प्रस्तावित है तो शुल्क पहले जमा कर दें। ✻ संपदा-1.0 से रजिस्टर्ड दस्तावेजों को देने से पहले अच्छे से जांच लें, विसंगति होने पर दस्तावेज जारी न करें। ✻ अंतिम दिन में रजिस्टर्ड दस्तावेजों का प्रिंट उसी दिन पक्षकारों को दिया जाए। ✻ अंतिम दिन में रजिस्टर्ड होने वाले दस्तावेजों के सपोर्ट टिकट निपटाए जाएं, विसंगति होने पर दोबारा से बनाएं। ✻ ई-स्टांप रिफंड के लिए आवेदन 31 मार्च तक रिफंड निवेदन नंबर के आधार पर भेज दें। ✻ संपदा-1.0 में प्रस्तुत दस्तावेजों का पंजीयन व विधिक रूप से कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्राप्त करें। ✻ अपंजीकृत दस्तावेज जिन्हें उप पंजीयकों द्वारा इंपांउड किया है, उनको तुरंत निराकृत करें।

पुरानी गाइड लाइन से रजिस्ट्री कराने का आज अंतिम दिन...

पुरानी गाइड लाइन से दस्तावेज पंजीयन कराने के लिए अब पक्षकारों के पास सिर्फ आज का दिन बचा हैं। इसके बाद नई गाइड लाइन लागू होगी। हालांकि, संपदा-2.0 में नई गाइड लाइन का डेटा अपडेट हो चुका है। इसी के साथ सर्विस प्रोवाइडरों की क्रेडिट लिमिट अपडेट करनी होगी। नए वित्तीय वर्ष में संपदा-1.0 सॉफ्टवेयर को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। अभी जो सर्विस प्रोवाइडर संपदा-1.0 से स्टाम्प निकाल रहे थे, उन्हें संपदा-2.0 पर शिफ्ट होना होगा। चूंकि आखिरी दिन बचा हैं, ऐसे में उपपंजीयक कार्यालय में ज्यादा दस्तावेज होने की संभावना है।

क्या है संपदा 1.0 और व संपदा 2.0 ...

संपदा 1.0- ✻ पुराने पोर्टल में जमीन की रजिस्ट्री के लिए खसरा, भू-अधिकार, ऋण पुस्तिका, पुरानी रजिस्ट्री, निकाय की रसीद और विभाग की सर्टिफाइड कॉपी स्कैन करके अपलोड करनी होती थी। ✻ सर्च रिपोर्ट निकालने में नक्शा नहीं होने पर नजरी नक्शा बनवाना पड़ता था। तीन एंगल से फोटो लगानी होती थी, जिसमें एंगल ठीक न होने पर लोकेशन बदलने की आशंका रहती थी रजिस्ट्री की हार्ड कॉपी मिलने में भी देरी होती थी।

संपदा 2.0- ✻ नए पोर्टल में खसरा नंबर डालते ही संपत्ति का पूरा रिकॉर्ड स्वतः उपलब्ध हो जाता है, जिससे सर्च रिपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ती। ✻ मोबाइल ऐप से ली गई जियो टैग्ड तस्वीरें लोकेशन की सटीकता सुनिश्चित करती हैं। रजिस्ट्री की कॉपी पीडीएफ में तुरंत ई-मेल, वॉट्सएप पर भेजी जाती है। ✻ 20+ विभागों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटीग्रेशन से सभी संपत्तियों के लिए यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर और यूनिक आईडी जनरेट की गई है।

धूमधाम से मनाया भारतीय नववर्ष

श्रद्धालुओं ने किए भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन; नीम-मिश्री बांटकर दी शुभकामनाएं

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अचंल में रविवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत धूमधाम से हुई। श्रृद्धालुओ ने बाबा पशुपतिनाथ के दर्शन कर नववर्ष की शुभ शुरुआत की। इस दौरान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरो में श्रृद्धालुओ का तांता लगा रहा। इधर महाराष्ट्रीयन परिवारो में सुबह गुड़ी बनाई गई। श्रीखंड व पूरनपुली बनाकर नैवेद्य लगाया गया। भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव पर सिंधी समाज द्वारा चेटी चंड मनाया गया। एक दिन पूर्व वाहन रैली निकाली गई। जबकि, रविवार शाम को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

हिंदू संगठनों और युवाओं ने चौराहो पर व घर-घर जाकर लोगों को तिलक लगाकर नीम-मिश्री खिलाकर नववर्ष की बधाई दी। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर में भव्य वाहन रैली निकाली गई। इसमें हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए। जिलेभर में लोगों ने अपने घरों पर भगवा ध्वज फहराए।

श्री हरिहर धाम में गणगौर की झेल निकालकर स्थापना की गई। आज भी क्षेत्र में गणगौर की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

माता मंदिरो में हुई घट स्थापना...

नववर्ष, गुड़ी पड़वा, चेटी चंड के साथ ही नवरात्रि की शुरुआत भी हुई। इस दौरान माता मंदिरो में वैदिक रीति से घट स्थापना कर अखंड ज्योत भी लगाई गई। अब राम नवमी तक प्रतिदिन जप, हवन, पूजन, जागरण आदि कार्यक्रम चलेंगे। अभिनंदन परिक्षेत्र स्थित श्री हरीहर धाम में भी शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई। यहां महिला मंडल द्वारा गणगौर भी स्थापित की गई। इस अवसर पर मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है।

युवतियों में मारपीट, क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। युवतियों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने क्रास केस दर्ज किया। बरखेड़ापंथ निवासी टीना पति आदित्यसिंह गौर ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई मैं भाई राहुल के साथ मल्हारगढ़ जा रही थी, सूंठोद के निकट सलोनी ने मेरे सिर पर मारी, बाद में लात-घुसों से पीटा। पुलिस ने सलोनी पर केस दर्ज किया। इसी तरह सलोनी पिता पप्पू बांछड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं मुरली जा रही थी। इसी दौरान बरखेड़ापंथ के निकट टीना मेघवाल व कूचडोद निवासी राहुल मेघवाल मिले, दोनों ने रास्ता रोका, गाली-गलौज कर मारपीट की। जिससे चोंटे आई। पुलिस ने टीना व राहुल के खिलाफ केस दर्ज किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा तक प्रतिस्पर्धा बढ़ती रहेगी..!

मंदसौर/उज्जैन, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल बढ़ना इस बीच केंद्र और कुछ राज्यों के चुनाव दौरान आरएसएस की जरूरत ना होने के बयान ने भाजपा के वर्तमान नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बारीक दरार को सार्वजनिक कर दिया है। वर्तमान भाजपा और केंद्र की एनडीए सरकार पर पूरा नियंत्रण गुजरात लॉबी के हाथों में है। इन्हीं के रहते एक दशक में अनेक बार ऐसा घटनाक्रम सार्वजनिक होता रहा है कि संघ और सरकार में पटरी नहीं बैठ रही है। ऐसे चलते दौर में संघ प्रमुख मोहन भागवत से लेकर अन्य पदाधिकारी के भी भाजपा की लाइन से नाइत्तफाकी रखने वाले बयान सार्वजनिक आते रहे हैं।

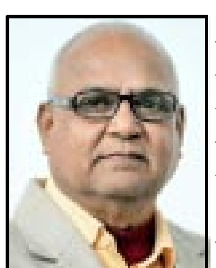

चन्द्रमोहन भगत

इस तरह के वातावरण को लगातार बने रहने देने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी संघ मुख्यालय नागपुर में उपस्थिति ना देना भी कारण रहा है। इस तरह की खबर और वातावरण को विराम लगाने के लिए प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख की मुलाकात संघ मुख्यालय पर हो गई है। इस बीच केंद्र से लेकर कुछ राज्यों में चुनाव हुए, जब जेपी नड्डा का बढ़ा हुआ कार्यकाल चल रहा है। जब से नड्डा का कार्यकाल समाप्त हुआ, तभी से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अनेक नामों ने सतह से ऊपर तक उछाल मारी है। किसी को भाजपा के वर्तमान नेतृत्व का करीबी बताया गया तो किसी को कट्टर विरोधी तो किसी को संघ की पसंद का। गुजरात लॉबी को कमजोर करने के लिए सर्वाधिक कट्टर विरोधी संजय जोशी का नाम सबसे पहले नंबर पर आया था, आज भी चल रहा है। पर नंबर नीचे खिसक गया है। गुजरात लॉबी के पार्टी चलाने के तरीके और प्रयोग को देखते हुए यह भी माना गया था कि जन लोकप्रियता के चलते शिवराज सिंह चौहान का नाम सतह पर लाया गया था। किन्तु अपने ही एक भाषण ने उन्हें ट्रैक से बाहर कर दिया।

संघ और सरकार की अध्यक्ष बनाने के लिए चल रही गतिविधियों पर आकलन और नजर रखने वाले अनुभवियो की माने तो संघ किसी ऐसे नाम का चयन कर चुका है जो वर्तमान भाजपा की गुजरात लॉबी के साथ मिलकर सरकार तो चलाएं पर उनके दबाव में आकर कोई निर्णय न ले। ताकि संघ का वर्चस्व भी कायम रहे और भाजपा की सरकार भी संघ का एजेंडा चलाती रहे।

रही बात आंतरिक प्रतिस्पर्धा की जब-जब भी नया नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए उभरता रहा, उसका असर किसी ने किसी राज्य में अपनी सरकार से भाजपा के विधायक या मंत्री की नाराजगी की शक्ल में नजर आता रहा। जैसे हरियाणा में मंत्री अनिल विज सरकार से नाराज हुए थे, राजस्थान में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा इस्तीफा देकर बैठे हुए हैं। बिहार में सम्राट चौधरी सरकार गिराने वाले थे, समझौते में उप मुख्यमंत्री बने हुए हैं। उत्तरप्रदेश में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अपने ही मुख्यमंत्री योगी की खिलाफत सार्वजनिक होती रही है और मध्य प्रदेश में विधायक चिंतामणि मालवीय अपनी ही सरकार पर अनीति लागू करने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपाई सूत्रों की माने तो ऐसी घटनाओं पर नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही पूर्ण विराम लग जाएगा।

मसाला फैक्टरी के गोदाम में लगी आग

पांच फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू, तीन घंटे में लाखों रुपए का नुकसान

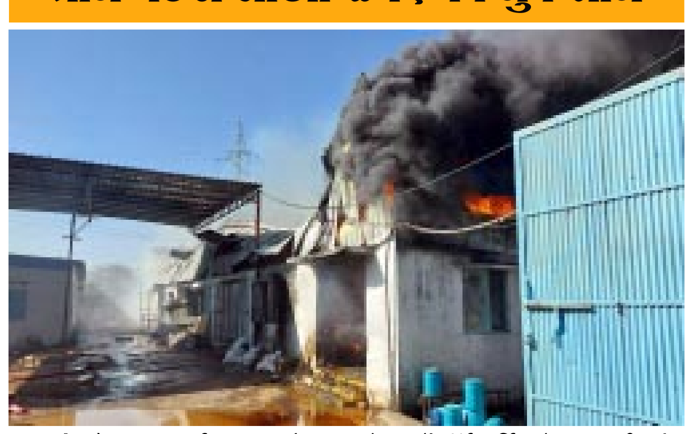

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। औद्योगिक क्षेत्र स्थित गौरव मसाला फैक्ट्री के गोदाम में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही मंदसौर नगरपालिका, पिपलियामंडी, नारायणगढ़ और नगरी की फायर फाइटर टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। लेकिन, आग पर काबू जाये जाने तक लाखो रूपए का नुकसान हो गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। पांच दमकलों की मदद से तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। गोदाम में बड़ी मात्रा में रखा मसाला और फर्नीचर जलकर राख हो गया।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने बताया कि आग लगने के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। हालांकि प्राथमिक तौर पर आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। लेकिन, नुकसान का सही आकलन अभी नहीं हो पाया है। अनुमान के मुताबिक लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

युवक ने जहर खाया, मौत

नीमच, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के जीरन थाना क्षेत्र के गांव कचोली में एक युवक कन्हैयालाल उर्फ काना उम्र 27 वर्ष ने शनिवार दोपहर को जहर खा लिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तुरंत नीमच के बड़े अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने युवक को भर्ती कर उपचार शुरू किया। हालत गंभीर होने के कारण उसे उदयपुर रेफर किया गया। लेकिन, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। रविवार सुबह नीमच के बड़े अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कन्हैयालाल बावरी समाज से था और मूल रूप से धमनिया का रहने वाला था। वह वर्तमान में कचोली गांव में रह रहा था। जीरन थाने के एएसई शंभू सिंह ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

विचार-मंथन

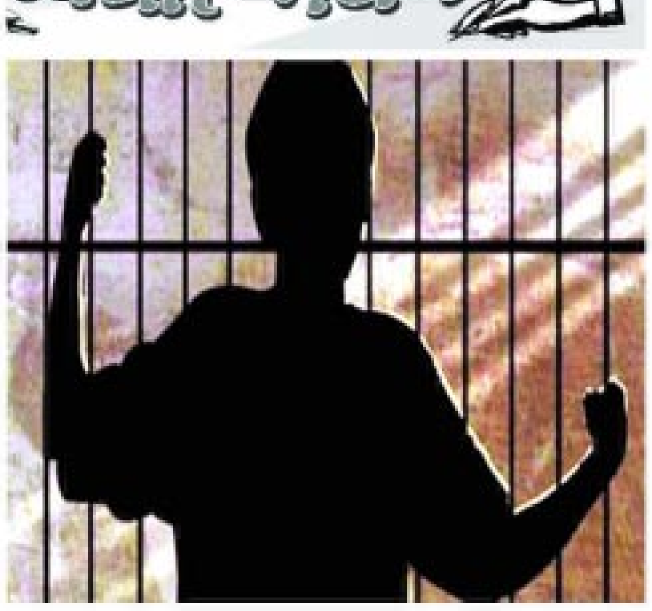

बच्चे क्यों बढ़ा रहे अपराध की ओर कदम?

दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की हत्या को आए दिन होने वाले अपराधों के तौर पर ही देखा जाएगा। मगर यह घटना एक बार फिर इस बेहद चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करती है कि देश में अब कम उम्र के बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व के विकास की दिशा किस ओर बढ़ चुकी है और अगर इसे तुरंत नहीं थामा गया तो आने वाले वक्त में समाज का स्वरूप कैसा होगा। गौरतलब है कि वजीराबाद में रविवार की शाम को नौवीं के एक छात्र का अपहरण करके उसकी हत्या कर दी गई और उसके बाद अगले दिन उसके परिवार को फोन करके दस लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की, तब इसे अंजाम देने के आरोपी तीन किशोर पकड़े गए। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से गंभीर अपराधों में भी किशोरों की संलिप्तता के जैसे मामले सामने आ रहे हैं, उसमें यह घटना कोई आश्चर्य नहीं पैदा करती, लेकिन जिस स्तर पर कम उम्र के बच्चों के भीतर आपराधिक प्रवृत्तियों का दायरा फैल रहा है, उसमें यह बेहद चिंता की बात है कि आखिर वे कौन-से कारक हैं जो बच्चों को ऐसी मानसिकता की गिरफ्त में ले रहे हैं। जिस दौर में देश के विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, उसमें समाज की बुनियाद रखने वाले किशोर उम्र के बच्चों की जिंदगी किस दिशा में बढ़ रही है। गुजरात के अमरेली जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में 'डेयर गेम' खेलते हुए खुद को चोट पहुंचाने या फिर दस रुपए भुगतान करने की चुनौती देने के बाद पच्चीस बच्चों ने खुद को ब्लेड से घायल कर लिया। इस तरह की सोच का सिरा आगे कहां जाएगा? खुद को नुकसान पहुंचाने या फिर इससे आगे किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए प्रेरित करने वाली प्रवृत्ति के स्रोत आखिर क्या हैं? कई बार ऐसा लगता है कि मौजूदा दौर में आम जनजीवन में घुल गए या फिर जरूरतों में शामिल हो चुके तकनीकी संसाधन बच्चों के विवेक पर भी हमला कर रहे हैं और उनके भीतर सही-गलत के बारे में सोचने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। वरना क्या कारण है कि जिन आधुनिक तकनीकों को विकास का मानक मान लिया जाता है, वही कई बार एक विचित्र सम्मोहन पैदा कर रहे हैं और कई किशोर उससे प्रभावित होकर अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जघन्य अपराध करने से भी नहीं हिचकते। उनके भीतर कानून तक का खौफ नहीं होता। विडंबना यह है कि जिस उम्र में बच्चों के खेलने-पढ़ने और भविष्य की बुनियाद रखने का दौर होता है, उसमें आज ऐसे किशोरों की संख्या में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है जो अपने सामने की न केवल नकारात्मक, बल्कि आपराधिक प्रवृत्तियों और घटनाओं से भी प्रभावित हो रहे हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने सामने परोसे जा रहे चकाचौंध के बीच वे कल्पनाएं बुनते हैं और कई बार ऐसे अपराधों को भी अंजाम देते हैं, जो उनके मौजूदा और भावी जीवन को तबाह कर देते हैं। कोई वेब सीरीज देखने या वीडियो गेम खेलने के क्रम में बच्चे कब बेलगाम सपनों के संजाल में फंस कर अपराध के दलदल में दाखिल हो जाते हैं, यह पता नहीं चलता। अफसोस की बात यह है कि बच्चों और किशोरों की यह चिंताजनक दशा और दिशा न तो समाज और न ही सरकार की चिंता में शुमार है। यह बेवजह नहीं है कि जिन बच्चों को समाज और देश के बेहतर भविष्य के लिए उम्मीद की किरण माना जाता है, उनमें से कई अक्सर बड़ी समस्या के वाहक बन रहे हैं।

भारत-चिली के बीच कई मुददो पर हो सकती है डील!

अरुणिम भुयान

इस तरह से बोरिक की राष्ट्रपति के रूप में ये भारत की पहली यात्रा होगी। 5 अप्रैल को चिली रवाना होने से पहले वे आगरा, मुंबई और बेंगलुरु जाएंगे। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति बोरिक 1 अप्रैल को भारत-चिली संबंधों के सभी पहलुओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय का कहना है कि चिली के साथ भारत के संबंध वर्षों से मधुर और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। इसके साथ ही लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में चिली एक तरह से भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। गौर करें तो चिली एलएसी यानी लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र का एकमात्र देश था, जिसने 1947 में भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह में अपना विशेष दूत भेजा था। चिली एलएसी क्षेत्र में भारत का एक व्यापारिक साझेदार भी है। इतना ही नहीं दोनों देशों के बीच यूएनएससी सुधार, जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा और आतंकवाद सहित कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक जैसे विचार हैं। एक्सटरनल मिनिस्ट्री के बयान के अनुसार, अपने दौरे में राष्ट्रपति बोरिक मुंबई और बेंगलुरु में राजनीतिक नेतृत्व, व्यापार और उद्योग प्रतिनिधियों, स्टार्टअप्स, नवप्रवर्तकों और तकनीकी नेताओं से मुलाकात करेंगे। वहीं राष्ट्रपति बोरिक की इस यात्रा से नेताओं को द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने मौका भी देगी। बोरिक की ये यात्रा किसी भी चिली राष्ट्रपति की 16 साल बाद भारत की पहली राजकीय यात्रा होगी। इससे पहले तत्कालीन राष्ट्रपति मिशेल बैचेलेट जेरिया ने साल 2009 में भारत का दौरा किया था। हालांकि भौगोलिक दृष्टि से दूर होने के बावजूद दोनों देशों ने आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर अपने संबंध विकसित किए हैं। इससे दोनों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और सतत विकास की आकांक्षाएं मजबूत हुई हैं। सबसे पहले साल 1949 में भारत और चिली ने राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। बीते कुछ दशकों में, उनकी साझेदारी काफी बढ़ गई है। इसमें व्यापार, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए चिली ने भारतीय उम्मीदवारी का समर्थन करने वाले पहले लैटिन अमेरिकी देशों में से एक था। ये सब बातें वैश्विक मुद्दों पर इन देशों के बीच उनके रणनीतिक सरेखण को उजागर करती हैं। भारत-चिली संबंधों का आधार व्यापार और आर्थिक सहयोग है। दक्षिण अमेरिका का चिली पहला देश था जिसने 1956 में भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके साथ ही साल 2005 में भारत और चिली के बीच आर्थिक सहयोग को और बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा समझौते पर साइन किए थे। इन समझौते में संबंधित देशों के बीच एक बड़ यानी अधिमान्य व्यापार समझौते का प्रस्ताव था। इस समझौतों को लेकर दिल्ली में वार्ता के दौरान नवंबर 2005 में अंतिम रूप दिया गया था। हालांकि पीटीए दो साल बाद 2007 में लागू हुआ। इसी कड़ी में साल 2016 में, दोनों देशों ने पीटीए का विस्तार करने के लिए एक समझौते पर दस्तखत किए। इसकी वजह से रियायती शुल्क दरों पर व्यापार किए जाने वाले प्रोडक्ट की संख्या में 10 गुना वृद्धि हुई। गौर करें तो चिली एलएसी क्षेत्र में भारत का 5वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इस तरह से साल 2024 में भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3.8 बिलियन डॉलर हो गया। देखा जाए तो चिली में भारतीय निवेश लगभग 620 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इस तरह से भारतीय कंपनियों ने चिली की कंपनियों का अधिग्रहण करके या वहां पर संयुक्त उद्यम स्थापित करके चिली के मार्केट में एंट्री मारी है। सूत्रों की मानें तो आज के दिन भारत में चिली का निवेश लगभग 118 मिलियन डॉलर है। चिली विश्व का सबसे बड़ा तांबा उत्पादक देश है। कॉपर भारत के विद्युत और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक खास कच्चा माल है। ईवी यानी इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा पर भारत के बढ़ते फोकस के साथ चिली के विशाल लीथियम भंडार भारत के लिए बेहद खास हैं। इतना ही दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए एक संभावित साझेदारी प्रदान करते हैं। भारत और चिली के संबंधों में ये बात भी खास है कि दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के सदस्य हैं। ये आईएसएस संगठन सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इतना दोनों देश टिकाऊ खनन और औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर एक दूसरे को काफी सहयोग कर रहे हैं। चिली में तकरीबन 4,000 की संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जिनमें भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) और एनआरआई दोनों शामिल हैं। यहां पर भारत का सॉफ्ट पावर प्रभाव दिख रहा है। इसके जरिए योग, बॉलीवुड और व्यंजनों सहित भारतीय संस्कृति चिली में लोकप्रियता हासिल कर रही है। लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय और चिली विश्वविद्यालयों के बीच स्कॉलरशिप और शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जा रहा है। बोरिक की इस यात्रा के महत्व को लेकर सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक ऐश नारायण रॉय कहते हैं कि बोरिक चिली की राजनीति में एक दिलचस्प पर्सनॉलिटी हैं। इसके साथ ही 39 वर्षीय बोरिक देश के सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। रॉय ने बताया कि बोरिक ने साल 2011 में चिली में छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था। वह एक सामाजिक लोकतांत्रिक वामपंथी हैं और सत्ता में बने रहने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में भरोसा रखते हैं। वे वेनेजुएला, निकारागुआ और क्यूबा जैसे क्षेत्र के गुलाबी वामपंथी देशों के आलोचक भी हैं। रॉय ने आगे कहा कि बोरिक की भारत यात्रा कई मायनों में खास है, क्योंकि उनका मानना है कि भारत एक बड़ी शक्ति है। उनकी यात्रा की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है। उनके दौरे को लेकर एक बात महत्वपूर्ण है कि चिली के लिए अपने हितों का विस्तार काफी अहम है। रॉय ने बताया कि चीन अपनी महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) निवेश के माध्यम से लैटिन अमेरिकी देशों में बड़ी सफलता हासिल की है।

निरंतरता और सफलता के बीच है गहरा संबंध...

प्रेरणा अवस्थी

तब ऐसी दशा में हम अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारे द्वारा क्रियान्वित की गई गतिविधि निरंतरता को प्राप्त नहीं कर पाई। दूसरे शब्दों में कहें तो निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है। जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वरण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रकृति है। प्रकृति के सभी मूलभूत घटक, उदाहरणार्थ- जल, वायु आदि सभी सातत्य के सिद्धांत का अनुसरण करते हैं। जल और हवा के बहाव में अगर सातत्य या निरंतरता न हो, तो निश्चित ही वे महत्त्वहीन हो जाएंगे। कलकल करती सरिता और शांत तड़ाग में निस्संदेह सततवाहिनी सरिता कहीं अधिक महत्त्व रखती है। इसका कारण केवल इतना है कि बहती हुई सरिता सदैव सातत्य के अंक में रहती है। ठहराव से उसका कोई संबंध नहीं होता। ऐसा नहीं है कि ठहराव आवश्यक नहीं है, लेकिन वह ठहराव लक्ष्य के पड़ाव तक पहुंचने के बाद ही होना चाहिए। नदी जब महासागर में विलीन हो जाती है, तभी उसका अस्तित्व अपनी यात्रा को पूरा करके ठहराव की दशा को प्राप्त कर पाता है। जीवन की निरंतरता के बने रहने के लिए सांस में सातत्य का होना अनिवार्य है। सांस के असतत होने का सीधा-सा अर्थ है- जीवन की मृत्यु में परिणति। जन्म और मृत्यु आत्मा की अनंत यात्रा के दो पड़ाव होते हैं। इन पड़ावों के बीच यानी जन्म से लेकर मृत्यु के बीच की सीमित यात्रा का नाम ही जीवन है। अब इस यात्रा की अवधि सातत्य के स्तर पर निर्भर करती है। यात्रा सातत्य से सिंचित होगी, तो निस्संदेह हम लंबे समय तक जीवन का आनंद भोगने में सफल रहेंगे। वहीं अगर यात्रा का सातत्य किसी भी कारण से खंडित हुआ तो मृत्यु के निकट आने में कोई भी विलंब नहीं होगा। भौतिक और सांसारिक जीवन से परे इन विषयों से थोड़ा-सा संकुचित होकर केवल दैनिक जीवन, क्रियाकलापों और गतिविधियों पर ही केंद्रित रहा जाए तो भी सातत्य की महिमा कहीं न कहीं स्वयंसिद्ध है। सातत्य ही जीवन को सफल बनाने का एक मूल मंत्र है। परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए अपने कार्य को निरंतरता के साथ करते रहना ही सातत्य है। जीवन का कोई भी ऐसा पहलू नहीं है जहां पर सातत्य के बिना सफलता का अर्जन किया जा सके, क्योंकि सफलता का कोई भी लघु मार्ग या सूत्र अभी तक उपलब्ध नहीं है। सफलता के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता होती ही है, जो केवल और केवल सातत्य के माध्यम से ही संभव है। जीवन में सातत्य का अनुसरण करने से व्यक्ति को लाभों का एक ऐसा पिटारा प्राप्त हो जाता है, जिसकी कल्पना संभवत- उसके द्वारा नहीं की गई होती है। सातत्य की प्रवृत्ति व्यक्ति को द्रुत गति से उसके लक्ष्य तक पहुंचाने में सहायक होती है। यह व्यक्तित्व को अद्भुत तरीके से निखार देता है। व्यक्तित्व के अंदर अनेक दुर्लभ विशिष्टताओं का समावेश सातत्य का अनुसरण करके ही संभव हो पाता है। इनमें सबसे मूल्यवान उपलब्धि होती है- आत्मविश्वास। किसी भी कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव अपनाते हुए उसके क्रियान्वयन में सातत्य को समाविष्ट करने से विभिन्न चरणों में आने वाली बाधाएं व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास के स्तर को उच्चीकृत करने में सहायता करती हैं। मगर सातत्य को विकसित करने के लिए हमें प्रकृति की कुछ शर्तों को स्वीकार करना होगा। इनमें से पहला और सबसे अहम शर्त यह है कि हमें किसी भी कार्य या गतिविधि के रूप वाली वैतरणी को धैर्य की नौका पर सवार होकर ही पार करने की चेष्टा करनी चाहिए, क्योंकि धैर्य वह ब्रह्मास्त्र है जो बड़ी से बड़ी चुनौतियां एवं बाधाओं को अपनी अमोघ शक्ति से चकनाचूर कर देने में सक्षम है। सातत्य के प्रादुर्भाव के लिए धैर्य परम आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आत्मानुशासन, सकारात्मकता से परिपूर्ण मनोबल, समय का उचित प्रबंधन और ध्यान का लक्ष्य पर केंद्रित होना। ये कुछ ऐसी शर्तें हैं जो प्रकृति के द्वारा मूक रूप से हमारे समक्ष सातत्य का उपहार प्राप्त करने के बदले में रखी जाती हैं। इनका व्यवस्थित अनुपालन करने के बाद ही हम जीवन में सातत्य की अपेक्षा कर सकते हैं। हमें अपने शरीर और मन-मस्तिष्क, दोनों की गतिविधियां सातत्य से युक्त रखनी चाहिए, क्योंकि सातत्य हमारे अंदर विजय प्राप्त करने जैसी भावना को जागृत करता है।

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेंकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए।बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौड़गढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें।

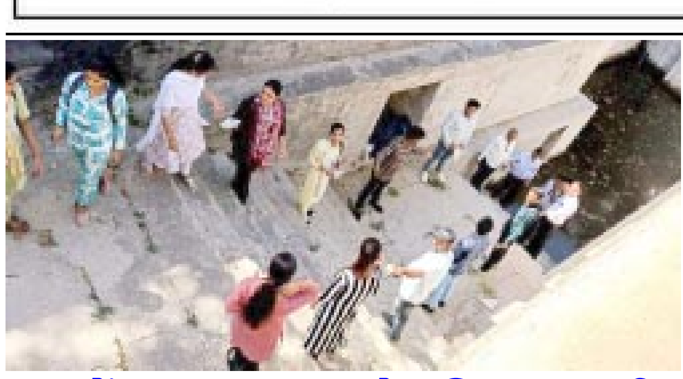

छात्रों द्वारा शामगढ़ रोड़ स्थित बावड़ी पर सफाई अभियान चलाया गया

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावड़ी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया जिसमें सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करना। यह अभियान 30 मार्च से 30 जुन तक चलाया जायेगा। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् (योजना आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग म.प्र. शासन) के अन्तर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेत्रत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम विकास खण्ड गरोठ के छात्र/छात्रा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शामगढ रोड़ स्थित बावड़ी पर सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में सीएमसीएलडीपी मेंटर्स नन्दकिशोर प्रजापति, बहादुरसिंह सिसोदिया, हैमन्त पाण्डे, रघुवीरसिंह सोलंकी, प्रियंका मांदलिया एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र/छात्रा उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मंदसौर मे हर्षोल्लास के साथ मनाया नव वर्ष

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर द्वारा हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व गुडी पड़वा पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें मंदसौर नगर के मुख्य गांधी चैराहा पर विद्यालय परिवार व समिति परिवार ने गुड़ी का पूजन कर नगर के समाज जन को चंदन व तिलक लगाकर मिश्री काली मिर्च, नीम का प्रसाद वितरण कर नव वर्ष की शुभकामना दी गई एवं आचार्य परिवार ने सूर्य को अर्घ देकर नववर्ष का स्वागत किया।

जल स्त्रोतों को साफ रखना आमजन की जिम्मेदारी-निनामा

जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत छात्रों एवं नवांकुर संस्थाओं ने की लदुना लव सागर की सांकेतिक साफ सफाई

सीतामऊ, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन एवं मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के मार्गदर्शन में सीतामऊविकासखण्ड में परामर्शदाताओं एवं नवांकुर संस्थाओं की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मुख्य जल स्त्रोत लदुना लव सागर मे श्रमदान एवं शपथ लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया।

मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के विकासखण्ड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने बताया की गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है। जल स्त्रोतो की साफ -सफाई करना आमजन की जिम्मेदारी है। अभियान का जिसका मुख्य उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावड़ी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया। जिसमें सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करना। यह अभियान 30 मार्च से 30 जुन तक चलाया जायेगा। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् (योजना आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग म.प्र. शासन) के अन्तर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम विकासखण्ड सीतामऊ के छात्र/छात्रा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लदुना लव सागर पर सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता हेमंत गौड, हरिओम गंधर्व, चरणसिंह चौहान, मंगला बैरागी, सत्यनारायण प्रजापत एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र/छात्रा उपस्थित थे। इस अवसर पर नवांकुर संस्था खुशी समृद्धि और विकास के अध्यक्ष रजनीश शर्मा एवं नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति के कार्यक्रम समन्वयक हरिओम गंधर्व एवं संस्था के सभी सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थिति थे।

महर्षि गौतम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

मनासा, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आज गुडी पड़वा के पावन पर्व पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने अपने आराध्य देव महर्षि गौतम का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया इस जन्मोत्सव का शुभारम्भ आज समाजजनो ने ब्राह्मणो की धर्मशाला मै अपने आराध्य देव महर्षि गौतम की पूजा आरती कर बैंड बाजो के साथ चल समारोह निकाला गया इस चल समारोह मै कतार बद्ध होकर महिला पुरुष ओर बच्चे सम्मिलित हुए ओर महर्षि गौतम के जयकारों के साथ ये चल समारोह गाँधी चौक होते हुए सोमनाथ महादेव मंदिर पंहुचा जहाँ चल समारोह का स्वागत कर महर्षि गौतम की पूजा अर्चना की गई फिर वहा से ये चल समारोह भ्रमण करते हुए ब्राह्मणो की धर्मशाला पंहुचा जँहा पर 75 वर्ष से अधिक उम्र के समाज जनो का अभिनन्दन किया गया ओर प्रतिभावान छात्र छात्राओं को समाज की ओर से पुरुष्कार प्रदान किया गया इस कार्यक्रम मै बड़ी संख्या मै महिला पुरुष ओर बच्चे सम्मिलित हुए.ओर कार्यक्रम के अंत मै सभी समाज जनो ने सामूहिक गोट (भोजन) के आयोजन का आनद लिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 मार्च तक जुड़वा सकते हैं नाम

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वेयर सचिव/रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एन.आई.सी द्वारा निर्मित किया गया है। इस ऐप की लिंक आवास सॉफ्टपोर्टल (https://pmayg. >nic.in/ infoapp. html) पर भी उपलब्ध है। सर्वे के लिए समस्तजिले/जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वेयर को प्रशिक्षण गया है। सर्वे 31 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रारंभ की गई। जिसके अंतर्गत सभी पात्र बेघर परिवारों और कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

पशुपतिनाथ मंदिर स्थित शिवना घाट से जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, समाजसेवियों, पर्यावरण प्रेमियों ने...

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुडी पडवा के दिन से शुरू हुआ। भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर स्थित शिवना के तट पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने मां शिवना की पूजन के साथ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ किया। शुभारंभ की पश्चात सभी ने मिलकर शिवना के तट पर श्रमदान किया। तट पर साफ सफाई की, वहां से जलकुंभी को तगारी में भरकर ट्रालियों में डाली। यह अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। शुभारंभ अवसर पर डीएफओ श्री संजय रायखेरे, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, मंदसौर एसडीएम, सभी जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी, जन अभियान परिषद, समाजसेवी, पर्यावरण प्रेमी, पत्रकार मौजूद थे।

सांसद गुप्ता ने सभी को जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत स्वच्छता की शपथ दिलाई–मंदसौर नगर, प्रदेश और देश के पर्यावरण को सुरक्षित रखने एवं संरक्षित करने के लिए में शपथ लेता हूँ कि मैं अपने तन, मन और धन से अपना योगदान सहर्ष और स्वैच्छा से प्रदान करूँगा। मैं शपथ लेता हूं कि माँ शिवना को प्रदूषण से बचाने के लिए और उसे स्वच्छ रखने के लिए मैं अपना संपूर्ण योगदान दूँगा और मित्रों को प्रेरित करूँगा। जल संरक्षण के इस अभियान से भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद सहेजना का काम होगा, मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे। अभियान की थीम 'जन सहभागिता से जल स्त्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण' रखी गई है। जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जैसे - पौध-रोपण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की स्थापना के कार्य होंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में होंगे महत्वपूर्ण कार्य–जल गंगा संवर्धन अभियान' में होंगे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे जिसमें पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण, वन्य जीवों के लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं के पुनर्विकास के कार्य किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे।ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नए तालाबों का निर्माण करेगा। नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। नदियों की जल धाराओं को जीवित रखने के लिए गेबियन संरचना, ट्रेंच, पौध-रोपण, चेकडैम और तालाब निर्माण पर जोर दिया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल आयोजित होंगी। स्थानीय लोगों को जल संरचनाओं के रख-रखाव के लिए जागरूक किया जाएगा। प्रत्येक गांव से महिला-पुरुष का चयन कर जलदूत तैयार किए जाएंगे। सीवेज का गंदा पानी जल स्त्रोतों में न मिले, इसके लिए सोक पिट निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। नहरों के संरक्षण, जलाशयों से रिसाव रोकने, तालाबों की पिचिंग, बैराज मरम्मत कार्य होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग जल संरचनाओं के संवर्धन का कार्य करेगा।नहरों को मार्क कर विलेज-मेप पर 'शासकीय नहर' के रूप में अंकित किया जाएगा। बांध तथा नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर आराधना हाल में हुआ सूर्य उपासना कार्यक्रम

सम्राट विक्रमादित्य केंद्रित नाट्य मंचन किया, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने की ब्रह्म ध्वज की स्थापना

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर आराधना हाल में प्रातः 9 बजे सूर्य उपासना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने भगवान पशुपतिनाथ की पूजन अर्चन के साथ किया। इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने ब्रह्म ध्वज की स्थापना की। इस अवसर पर डीएफओ श्री संजय रायखेरे, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, मंदसौर एसडीएम, सभी जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी, बडी संख्या में दर्शक, पत्रकार मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री गुप्ता ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि श्रृष्टिके प्रारंभ के इस दिवस को कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया है। हमारा हजारों साल पुराना इतिहास है। वर्ग भेदों से उपर उठकर हम भारतीय बात करते हैं। गंगा शुद्धिकरण का बड़ा अभियान देश में आया था, उसके पश्चात अब जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार होगा। राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने कहा कि आज के ही दिन ब्रह्मा ने सृष्टिकी स्थापना की थी। आज से विक्रम संवत आरंभ हो रहा है और आज के दिन से ही प्रकृति भी अपना नया रूप धारण करती हैं। आज से ही पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ हुआ है। आज के ही दिन विक्रम संवत 2082 का शुभारम (नववर्ष प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा) ईसवी कलैण्डर 30 मार्च 2025 को हो रहा है। सूर्य उपासना कार्यक्रम में प्रस्तुति दल द्वारा मंच पर ब्रह्म ध्वज का वंदन किया गया। विक्रम संवत भारतीय कालगणना पर केंद्रित जानकारी भी प्रदान की गई। सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य का मंचन किया गया। नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन नाट्य दल निर्देशन श्री नन्दन चावडा, प्रस्तुति संवाद क्रिएटिव कम्युनिकेशन चिल्ड्रनस वेलफेयर सोसायटी, उज्जैन द्वारा किया गया।

मप्र शिक्षक संघ मंदसौर ने भारतीय नववर्ष, प्रतिपदा धूमधाम से मनाया

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय नववर्ष विक्रम संवतसर 2082, गुडीपड़वा, चेटी चंड, व चेत्र नवरात्रि के आरम्भ पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की प्रेरणा से मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई, तहसील व विकासखंड व नगर शाखा मन्दसौर ने आजाद चौक घंटाघर मंदसौर पर बडे धूमधाम केसाथ मनाया। आने-जाने वाले सभी राहगीरों को चंदन टीका लगाकर नीम, मिश्री, कालीमिर्च का प्रसाद दिया व हिंदू नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष व प्रदेश शिक्षक सम्मान प्रकोष्ठ प्रमुख अखिलेश मेहता, जिला संगठन मंत्री विक्रमसिंह सिसोदिया, जिलाध्यक्ष विक्रम शर्मा, संगठन मंत्री शम्भूसिंह चुण्डावत, पूर्व संभागीय अध्यक्ष व भारतीय शिक्षण मंडल मंदसौर के संयोजक श्यामसुंदर देशमुख, जिला उपाध्यक्ष रतनलाल चौहान एवं मनीष बैरागी, श्रीमती कविता सोनी, श्रीमती सुलोचना द्विवेदी, तहसील मंदसौर अध्यक्ष शिवनारायण मंडवारिया, सचिव भेरुलाल सुनार्थी, ब्लॉक कोषाध्यक्ष जुझारलाल चौहान, सदस्य राजेंद्र मेड़तवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष व व्याख्याता प्रकोष्टसे भारतसिंह मंगोलिया, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष अनोखीलाल नलवाया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक नागदा, नगर इकाई अध्यक्ष श्रीमती मेघा वाप्ता, नगर सचिव श्रीमती राधा बैरागी, कोषाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा मंगोलिया, उपाध्यक्ष लोकेन्द्रसिंह देवडा, सदस्य श्रीमती रश्मि भावसार, दलौदा नगर सचिव श्रीमती कल्पना शर्मा, संभागीय सदय अरुण बोराना, पूर्व मीडिया प्रभारी प्रदीप पंवार, घनश्याम जड़िया डाइट व्याख्याता प्रमोद सेठिया, सी. एम. राईज साबाखेड़ा प्राचार्य दिलीपसिंह डाभी, प्राचार्य श्रीमती अलका अग्रवाल, श्रीमती निवेदिता नाहर, गिरीश ड्मदरे, श्यामलाल सोनी, भारतसिंह जी व अन्य वरिष्ठ शिक्षक साथी, भगिनी सहित बडी संख्या मे उपस्थित हुए।

विधायक जैन ने गुड़ी पड़वा, नव वर्ष पर नगर वासियों को दी शुभकामनाएं

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू नववर्ष (गुडी पडवा) के पावन पर्व पर शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा गांधी चौराहा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय के बाहर रविवार को सभी कांग्रेसजन व कांग्रेस नेत्रियों ने नगरवासियों को तिलक लगा कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री जैन ने सभी नगर वासियों को गुडी पडवा नव वर्ष की शुभकामनाएं दी व मीडिया से चर्चा करते हुए श्री जैन ने कहा कि नए वर्ष में मंदसौर जिला ही नहीं पूरे प्रदेश में सभी लोगों के यहां सुख - समृद्धि व खुशहाली आए। पूरा प्रदेश व देश तरक्की करें। इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल, पूर्व विधायक श्रीमती पुष्पा भारती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, प्रदेश कांग्रेस सचिव सोमिल नाहटा, जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशहरा जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री सुरेंद्र कुमावत, तरुण खींची, आदित्य पाटील, राजनारायण लाड, सुनील बसेर, संजय नाहर, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राजेश सोलंकी, मंदसौर नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत पयामी, महिला नेत्रियों में सुश्री इष्टा भाचावत, श्रीमती अंजू तिवारी, सुनीता बंडी, अनीता भदोरिया, कुमकुम सिसोदिया, योगिता बैरागी, दीप्ति पोखरना, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि शैलेंद्र बघेरवाल, शैलेंद्र गोस्वामी, घनश्याम चौहान, मंडलम अध्यक्ष दशरथ सिंह राठौड, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी, पंकज रैकवार, महेश गुप्ता, राकेश सेन, हिम्मत पोखरना, नवीन शर्मा, संजय बारोट, शुभम जैन, संयम भावसार आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान पर शिवना तट पर श्रमदान में की सहभागिता

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी ने मिलकर शिवना के तट पर श्रमदान कर तट पर साफ सफाई की, वहां से जलकुंभी को तगारी में भरकर ट्रालियों में डाली। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, डीएफओ श्री संजय रायखेरे, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, मंदसौर एसडीएम, सभी जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के निर्देशन में मंदसौर विकासखंड की नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था, एवं विकासखंड की सभी नवांकुर संस्थाएं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां, मेंटर्स, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र एवं छात्राओं, समाजसेवी, पर्यावरण प्रेमी, उपस्थित होकर कार्यक्रम में सभागीता की 30 मार्च से शिवना नदी तट पर प्रतिरात्मक रूप से शुभारंभ हुआ जन अभियान परिषद के आह्वान पर शहर की कई स्वयंसेवी संस्थाएं और सामाजिक कार्यकर्ता का आंदोलन के रूप में दिखा नवांकुर संस्थाएं अगले 90 दिनों तक अन्य बावडी तालाब, पर्यावरण, पौधारोपण, दीवार लेखन, प्रभात फेरी, कलश यात्रा के माध्यम से जल गंगा संवर्धन में अभियान का प्रचार प्रसार करेगी।

वर्तमान समय में आर्य समाज की भूमिका प्रासंगिक-सांसद

धूमधाम से मना आर्य समाज का स्थापना दिवस

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर मै आर्य समाज स्थापना दिवस का एक सौ पचास वा वर्ष धुमथाम से मनाया गया प्रातः ध्वजारोहण हुआ तत् पश्चात ग्यारह कुण्डीय यज्ञ हुआ। आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा की महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना इस उद्देश्य की, समाज मे व्याप्त कुरीतियो को समाप्त करने का था और आर्य समाज आज भी अपने कार्य मे लगा है, जब सनातन पर संकट आता तो आर्य समाज ढाल बनकर खड़ा रहता। श्री गुप्ता ने कहा की वर्तमान समय मे देश सामाजिक विषमता के दौर से गुजर रहा हे ऐसे मै आर्य समाज और महर्षि दयानंद के सिद्धांत महत्वपूर्ण है। नीमच से पधारे सहायक नारकोटिक्स कमिश्नर दिलीप पारीख ने कहा की वेद के मार्ग पर चल कर ही मनुष्य का कल्याण संभव है, आने वाली पीढ़ी का चरित्र निर्माण आर्य समाज से जुड़कर ही संभव है, श्री पारीख ने कहा की वर्तमान समय मे समाज की नई पीढ़ी का दायित्व है की वे अपने बुजुर्गो की विरासत को ईमानदारी से बढ़ाये अन्यथा मनुस्मृति के अनुसार दण्ड का भागी बनना पड़ेगा।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि गुडी पड़वा का दिन सृष्टिउत्पत्ति का दिन है। इसलिये इस दिवस को सभी को साथ मिलकर मनाना चाहिए। विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, युवा भाजपा नेता राजेश गुर्जर ने भी आर्य समाज स्थापना और नव वर्ष की बधाई समाज जनों को दी। सुरेंद्र व सुधा कुर्मी, रीना शर्मा और सोनी दीदी के भजनो के साथ पं रामनारायण गन्धर्व और प्रकाश गन्धर्व की संगत ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अतिथियो का स्वागत रमेश चंद्र राव, रामनारायण चौधरी, रविन्द्र शर्मा, महेश शर्मा, डालूराम लिलोरिया, सूर्य प्रकाश गुप्ता, सुनील गुप्ता, सुधीर शर्मा, प्रमोद गुप्ता, गायत्री प्रसाद शर्मा, दयानंद आर्य, वेद प्रकाश आर्य, योगेश जैन, सुधा कुर्मी, आशा रानी शर्मा, सुधा शर्मा, समता गुप्ता आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान मधुसूदन आर्य ने किया आभार मंत्री राजेश पालीवाल ने माना।

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

नारायणगढ, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद नारायणगढ द्वारा आज दिनांक 30 मार्च 2025 को शासन निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वार्ड क्रमाक 14 समिति चौराहा पर पेयजल प्याऊलगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति ममता कुंवर जयराजसिंह चौहान, उपाध्यक्ष श्री विरेन्द्र रूपरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जितेन्द्र जाट, पार्षदगण, जनप्रतिनिधी, नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रमोद जैन, निकाय के कर्मचारीयो की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया।

राष्ट्र सेविका समिति ने मनाया नववर्ष

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्र सेविका समिति की बहनों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ वर्ष प्रतिपदा का पर्व मनाया। इस शुभ अवसर पर बहनों ने मंदिर परिसर में उपस्थित भक्तों को मिश्री, काली मिर्च और नीम का प्रसाद वितरित कर सभी को नववर्ष की बधाई दी।

समिति की बहनों ने बताया कि वर्ष प्रतिपदा भारतीय संस्कृति में नवसंवत्सर प्रारंभ होता है जो नए उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने सभी को स्वस्थ और समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं दीं।गोवधन मंदिर में भक्तों ने इस पावन आयोजन का हिस्सा बनकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। इस कार्यक्रम में किरणमवार वर्तिका पारीक समता गुप्ता चंद्रकला शर्मा राम कुमारी गुप्ता नेहा जोशी सुनीता पांडे सुनीता माली सीता कच्छावा अन्य समिति के बहने उपस्थित थी।

संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की तिथि 15 अप्रेल तक बढ़ाई

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है। इससे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये कराये गये पंजीयन की जानकारी और गिरदावरी की जानकारी में आ रहे अंतर में सुधार करवा सकेंगे।

गौसेवा प्रकल्प के साथ वैश्य समाज ने सेवा पखवाड़े का किया शुभारम्भ

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर निकाली नगर में वैश्य चेतना रैली, समारोह में सांसद श्री गुप्ता, विधायक जैन, पूर्व विधायक सिसोदिया, प्रदेश महामंत्री अग्रवाल सहित अनेक वैश्य घटकों के प्रतिनिधि ने की शिरकत

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई मंदसौर द्वारा वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा पर्व को वैश्य दिवस के रूप में मनाते हुए सेवा प्रकल्प पखवाड़े का शुभारम्भ गौसेवा से किया गया ।वैश्य दिवस पर प्रातकाल शुभ बेला में मंदसौर के गांधी चौराहा पर कुमकुम तिलक लगाकर नीम , मिश्री और काली मिर्च का प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वैश्य चेतना रैली के रूप में समस्त वैश्य बंधू और मातृशक्ति बस स्टैंड स्थित श्री गोपाल कृष्ण गौशाला पहुंचे जहां पर गौ माता को हरे चारे, गुड एवं कपासिया की खली का आहार करवाया गया। वैश्य दिवस गुड़ी पडवा पर अतिथि के रूप में मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता ,मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ,वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ,कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, सकल जैन समाज के अध्यक्ष श्री जय कुमार बड़जात्या, पोरवाल समाज के अध्यक्ष श्री रामगोपाल गुप्ता इंजीनियर, पंच माहेश्वरीयान ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री के के चिचानी, विजयवर्गीय समाज के अध्यक्ष श्री सुनील विजयवर्गीय, पोरवाल युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र उदीया, पालीवाल समाज की ओर से श्री शांतिलाल पालीवाल एवं नीमा समाज की ओर से संजय नीमा उपस्थित थे।

मंच पर वैश्य महासम्मेलन के जिला प्रभारी श्री नरेन्द्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश चन्द्र चोधरी, वैश्य चेतना रैली प्रभारी श्री राजमल गर्ग एवं श्री नन्दकिशोर अग्रवाल भी मंचस्थ थे। गोसेवा प्रकल्प समाजसेवी श्री प्रहलाद काबरा परिवार की ओर से था। वैश्य चेतना रैली गांधी चौराहा से आरंभ हुई जो नेहरू बस स्टैंड, घंटाघर कालाखेत होते हुए गोपाल कृष्ण गौशाला पहुंची रैली में बड़ी संख्या में दो पहिया वाहन से सम्मिलित वैश्य बंधु एवं मातृशक्ति वैश्य एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चल रहे थे। गौशाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन परिवार द्वारा नव वर्ष गुड़ी पडवा का पर्व वैश्य दिवस के रूप में मनाकर वैश्य समाज में आपसी एकता सामंजस्य ओर भाई चारा पैदा करने का अनूठा कार्य किया जा रहा है। सभी वैश्य बंधु जब एक जाजम पर बैठते हैं तो आपसी रिश्ते और मजबूत होते हैं और वैश्य दिवस की शुरुआत गोसेवा से करके गौ माता के प्रति एक सच्ची ईश्वरीय भक्ति करने का अवसर हम सभी वैश्य जनों को मिलता है। आपने कहा कि हिंदू नव वर्ष हम सबको नई शक्ति और नई ऊर्जा प्रदान करने वाला दिवस है। इस दिवस को सेवा दिवस के रूप में मना कर हमने परोपकार का कार्य किया है श्री अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा एवं कांग्रेस दोनों राजनीतिक दलों के बाद यदि किसी सामाजिक संगठन के सबसे अधिक सदस्य है तो वह वैश्य महासम्मेलन है। सकल जैन समाज के अध्यक्ष श्री जयकुमार बड़जात्या ने कहा कि वैश्य समाज द्वारा समय-समय पर अनेक सेवा प्रकल्प आयोजित किए जाते हैं जो अन्य समाज के लिए प्रेरणा दायक हैं।

वैश्य महासम्मेलन जिला प्रभारी श्री नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन के माध्यम से आज प्रांतीय संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश में वैश्य दिवस मनाया जा रहा है आज गुड़ी पडवा से जिला ईकाई द्वारा पन्द्रह दिवस तक सेवा दिवस पखवाड़ा मनाया जायेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के सेवा प्रकल्प आयोजित किए जाएंगे। आज गौ सेवा प्रकल्प से शुरूआत की गई है। शेष दिनों में चिकित्सा, जल सेवा, पक्षी जल पात्र और शिक्षा सेवा प्रकल्प तथा अपना घर और वृध्द आश्रम में भी आयोजन किए जाएंगे। 30 मार्च से आरंभ हुए कार्यक्रम 14 अप्रैल डा भीमराव अंबेडकर जयंती तक प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे। वैश्य चेतना रैली का कालिदास मार्ग स्थित अग्रवाल काम्प्लेक्स पर रैली प्रभारी श्री राजमल गर्ग परिवार द्वारा शीतल पेय द्वारा स्वागत किया गया। रास्ते भर अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर वाहन रैली का स्वागत किया गया। आरम्भ में अतिथियों का स्वागत युवा ईकाई सम्भागीय प्रभारी श्री कपिल भण्डारी, संभागीय अध्यक्ष डॉ आशीष अग्रवाल , युवा जिला प्रभारी श्री जगदीश काला, जिलाध्यक्ष श्री राकेश दुग्गड, जिला महामंत्री श्री दिलीप सेठिया, तहसील अध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल, श्री गौरव रत्नावत एडवोकेट, महिला इकाई जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल, तहसील अध्यक्ष श्रीमती रचना पोरवाल ने किया। जिलाध्यक्ष जगदीशचंद्र चौधरी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए वैश्य महासम्मेलन द्वारा वर्षभर में किए गए कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री भगवानदास विजयवर्गीय ने किया तथा आभार युवा जिला महामंत्री श्री दिलीप सेठिया ने माना। समारोह में वैश्य समाज के विभिन्न घटको माहेश्वरी समाज, अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज, पालीवाल समाज, जैन समाज, पोरवाल समाज, पोरवाल जांगड़ा समाज, विजयवर्गीय समाज, नीमा समाज, पालीवाल समाज के समाजजनों ने उपस्थित होकर नव वर्ष के अवसर पर एक दूसरे को बधाई व शुभकामनाएं प्रकट कर प्रसन्नता जाहिर की तथा साथ ही वैश्य महासम्मेलन द्वारा पन्द्रह दिवसीय सेवा प्रकल्प में सभी ने सहयोग करने का प्रस्ताव रखा।

भारत विकास परिषद् शाखा मंदसौर ने मनाया गुड़ी पड़वा पर्व

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद शाखा मंदसौर ने गुडी पड़वा पर्व नगर के महाराणा प्रताप बस स्टैण्ड पर बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया। सुबह परिषद के सदस्यों, मातृ शक्ति ने एकत्रित हो कर राहगीरों को चंदन तिलक लगा कर बधाई शुभकामनाएं दी।साथ ही परिषद ने गौसेवा भी की।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम पोरवाल ने कहा कि जब सूरज की पहली किरण धरती को छूती है और घर-घर में रंगोली की महक फैलती है, तब समझ जाइए कि गुडी पड़वा आ गया है। यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि नए साल की नई शुरुआत, सुख-समृद्धि और विजय का प्रतीक है। यह पर्व हिंदू नववर्ष की पहली सुबह लेकर आता है। कार्यक्रम में डॉ क्षितिज पुरोहित, शाखा अध्यक्ष डॉ आशीष अग्रवाल, सचिव दिलीप सेठिया, कोषाध्यक्ष आशीष बंसल, डॉ अशोक सोलंकी, अजय शर्मा, राजेंद्र चाष्टा, नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक पारिख, सुभाष गुप्ता, विनोद मांदलिया, जगदीश काला, मनोज पोरवाल विष्णु सोलंकी, प्रमोद सेठिया ओम सेठिया (छात्रीवाला) विनोद पोरवाल गौरव मंडलीय रामचंद्र कच्छावा अशोक पालीवाल मेजर उषा कुमावत, रेखा टेलरा।

ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सोने के भाव में लगातार तेजी जारी है। रविवार अवकाश से पहले शनिवार को भाव में 200 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी आई और सोने के भाव 91 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के नए स्तर को छू गए। वही जेवराती सोना 83 हजार 400 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। सोने के ये भाव अब तक के ऑल टाइम हाई भाव हैं। वहीं इस सप्ताह अब तक सोना 1400 रुपए प्रति दस ग्राम तक महंगा हो गया है।

पिछले सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को जब सराफा बाजार खुला था तब सोना 89 हजार 600 रुपए प्रति दस ग्राम बिक रहा था। वहीं इस साल भाव में बढ़ोतरी की बात की जाए तो इस साल सोना 12 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम महंगा हुआ है। इसके भाव 78 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम थे। सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में तेजी से सोना महंगा हो रहा है। आगे भी भाव में तेजी बनी रहेगी।

चांदी हुई सस्ती...

सोने के भाव में भले ही तेजी रही है, लेकिन चांदी के भाव में 500 रुपए प्रतिकिलो की गिरावट रही और चांदी 1 लाख 1 हजार 100 रुपए प्रतिकिलो बिकी। इसके एक दिन पहले शुक्रवार को इसके भाव 1 लाख 1 हजार 600 रुपए प्रति किलो रहे थे।

राजनीति के चक्रव्यूह में फंसे अखिलेश को समझ नहीं आया कि अब सुगंध की तरफ भागें या दुर्गंध से बचने की कोशिश करें

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राजनीति भी गजब चीज़ है। सुगंध और दुर्गंध तक को अपने लाभ-हानि के तराजू में तोल लेती है। अब देखिए, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोचा होगा कि कन्नौज में खड़े होकर इत्र की महक से बीजेपी को चौंका देंगे, लेकिन गौशाला का ज़िक्र कर बैठे और बवाल मच गया। राजनीति में शब्दों का चयन बड़ा सोच-समझकर करना चाहिए, नहीं तो विरोधी ऐसे घेरते हैं कि बचने के लिए गोबर में ही छिपना पड़े!

हुआ यूं कि अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी सरकार इत्र पार्क बना रही है, जिससे सुगंध फैलेगी, जबकि बीजेपी सरकार केवल गौशालाएँ बना रही है, जिससे दुर्गंध फैलती है। बस, फिर क्या था! बीजेपी ने इसे गो-भक्ति और सनातन धर्म पर हमला मान लिया और अखिलेश पर टूट पड़ी। सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाने लगा कि 'यादव होकर गोबर की दुर्गंध की बात करने वाला असली यादव नहीं हो सकता!' जब की यदुवंशी आज भी गायों के बीच रहते हैं और गौशाला में उन्हें दुर्गंध नहीं सुगंध आती हैं। अब, अखिलेश यादव के बयान में तर्क का अभाव था या सिर्फ तंज था, यह तो वही जानें, लेकिन गोबर को लेकर राजनीति में घमासान मच गया। बीजेपी ने तुरंत सनातन धर्म की किताब खोल ली और बताया कि गोबर एंटीबैक्टीरियल होता है, वैज्ञानिक दृष्टिसे उपयोगी होता है और इसे घर के आंगन में लिपने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। और लिपन की सोहनी सुगंध से घर महक उठता है ! राजनीति के इस चक्रव्यूह में अखिलेश को समझ नहीं आया कि अब सुगंध की तरफ भागें या दुर्गंध से बचने की कोशिश करें। बीजेपी ने उन्हें मुस्लिम समाज का पैरोकार बताने में देर नहीं लगाई और गो माता विरोधी करार दे दिया। अखिलेश यादव के लिए स्थिति ऐसी हो गई जैसे किसी ने इत्र लगाने के बाद गलती से गोबर में पैर रख दिया हो अब न महक का असर रह गया, न गंध से पीछा छूट रहा है! दरअसल, यह मुद्दा केवल गाय, गोबर और इत्र तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा राजनीति की उस परंपरा को दिखाता है जिसमें हर बात को धार्मिक, जातिगत और सांस्कृतिक चश्मे से देखा जाता है। अखिलेश यादव का बयान भले ही एक हल्का-फुल्का कटाक्ष रहा हो, लेकिन बीजेपी ने इसे सनातन धर्म और आस्था से जोड़ दिया। अब कोई यह नहीं देख रहा कि गौशालाओं की वास्तविक स्थिति क्या है, गायों की देखभाल कैसी हो रही है, गोबर का सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। बस, राजनीतिक बयानबाजी जारी है। अब अखिलेश यादव को सलाह दी जानी चाहिए कि जब राजनीति में बयान दें तो यह सुनिश्चित कर लें कि नाक पर रूमाल रखने की नौबत न आए। सुगंध और दुर्गंध की राजनीति में संतुलन बनाए रखना जरूरी है, नहीं तो सुगंध भी कभी-कभी दुर्गंध में बदल सकती है। और हां, अगली बार इत्र और गोबर की तुलना करने से पहले यह जरूर सोच लें कि राजनीति में सुगंध से ज्यादा दुर्गंध की चर्चा होती है, क्योंकि आखिरकार, बदबू ज्यादा दूर तक जाती है!

नेमीचंद राठौर

अगले महीने से झटका देगा बिजली बिल...

कलएक अप्रैल से लागू होंगी नई दर

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बिजली की नई दरे तय हो गई है। मप्र विद्युत नियामक आयोग ने मौजूदा बिजली की दर में 3.46 प्रतिशत की औसत बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह दर अप्रैल 2025 से लागू होगी। शनिवार की देर शाम आयोग ने नई दर को लागू करने का आदेश जारी किया है। बिजली कंपनी ने अपनी याचिका में औसत 7.52 प्रतिशत बिजली की दर बढ़ाने की मांग की थी।

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ता को छूट...

आयोग ने निम्न दाब उपभोक्ताओं व मौसमी उच्च दाब उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए न्यूनतम प्रभार खत्म कर दिया है। इसके अलावा उपभोक्ताओं को मीटरिंग प्रभार भी नहीं देना होगा। जिन उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगवाया है, उन्हें सोलर अवधि के दौरान ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 10 किलोवाट से अधिक भार वाले निम्न श्रेणी के घरेलू व सामान्य जल प्रदाय व सड़क बस्ती व एचवी-6 श्रेणी के उपभोक्ता को टाइम ऑफ डे टैरिफ में लाया गया है। प्रीपेड उपभोक्ता की छूट को आयोग ने बरकरार रखा हुआ है। बिजली कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 58 हजार 744 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसके विरुद्ध आयोग ने 57 हजार 732.6 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

100 रुपये पर 24 रुपये बढ़ेंगे दाम...

घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपये तक बढ़ाये गये हैं, परंतु इन उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना के तहत पहले की तरह मात्र 100 रुपये का ही भुगतान करना है। बढ़ी हुई राशि राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में भुगतान की जाएगी। गैरघरेलू उपभोक्ताओं को छोड़कर अन्य सभी निम्न-दाब उपभोक्ता श्रेणी की न्यूनतम दर बिलिंग (टैरिफ मिनिमम बिलिंग) पहले ही समाप्त की जा चुकी है।

म्युजिक सिस्टम बंद करने के विवाद में पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म्युजिक सिस्टम बंद करने के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। पिपलिया कराड़िया निवासी संजय पिता जगदीश राठौर ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई ट्रेक्टर में म्युजिक सिस्टम चल रहा था, पड़ोसी धर्मेन्द्र पिता नारायण गायरी आया और टेप बंद करने की बोला और गाली-गलौज कर मारपीट की। पत्नी राधा बीच-बचाव करने आई तो उसके साथ भी धक्का-मुक्की की। पुलिस ने धर्मेन्द्र के खिलाफ केस दर्ज किया।

डिजिटल साक्षरता एवं डिजिटल साईबर फ्राड विषय पर कार्यशाला का आयोजन

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों मन्दसौर के ग्राम बड़वन के ग्राम पंचायत भवन में संस्था अरूणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति द्वारा आईशर फाउण्डेशन के वित्तीय सहयोग से डिजिटल साक्षरता एवं डिजिटल साईबर फाड विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मॉस्टर ट्रेनर आई.एच. मुन्सरी, रिटायर्ड जिला सहकारी बैंक अधिकारी, नोडल ऑफिसर नाबार्ड वित्तीय साक्षरता द्वारा डिजिटल वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फाड विषय पर उपस्थित ग्रामीण जनो को विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि किस प्रकार साइबर ठग आपकी जमा पूंजी को विभिन्न आधुनिक तरीके से ठग सकते है। इसके लिये सर्तकता जरूरी है। डिजिटल सर्तकता रहेगी तो, कोई भी आपको नुकसान नहीं पहुचा पायेगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के ट्रेनर श्री प्रवीण शर्मा एवं उपस्थित महिलाओ द्वारा सरस्वती पूजन के साथ किया गया। कार्यशाला में मॉस्टर ट्रेनर श्री प्रवीण शर्मा द्वारा वर्तमान समय में मोबाईल से होने वाली वित्तीय धोखाधड़ी की सत्य घटनाओ से ग्रामीण जन को बताकर जागरूक रहने को कहा किसी भी प्रकार का ओटीपी या लिंक शेयर नहीं करना नही तो आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है, सर्तकता ही बचाव है एवं डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानुन नहीं होता है। ऐसा कोई भी अधिकारी नही कर सकता है, जानकारी दी गई। संस्था के श्री शुभम गोयल द्वारा उपस्थित जनो का रजीस्ट्रेशन किया गया एवं सर्तकता किट दी गई, जिसमे साईबर जागरूकता पेम्पलेट, बजट डायरी, पेन दिये गये। कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनो को साईबर फाड से बचने के लिये जागरूक होने के लिये शपथ दिलाई गयी।

नि: शुल्क प्रशिक्षण कल से

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर द्वारा पुरुषों के लिए कम्प्यूटर अकाउंटिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, मोटर वाइंडिंग का प्रशिक्षण बैच 1 अप्रैल 2025 से शुरू होगा। प्रशिक्षण इच्छुक प्रत्याशी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। 18 से 45 वर्ष वाले प्रत्याशी ही इसमें रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन के लिए अपने साथ दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, अंतिम मार्कशीट और बैंक खाते की डिटेल फोटो प्रति लेकर आवे एवं इसका लाभ उठावें। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान(सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी) सर्किट हाउस से पहले, नई आबादी थाने के पास मंदसौर।

राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से होता है व्यक्तित्व विकास

मंदसौर, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर का राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर ग्राम भूनिया खेड़ी में आयोजित हो रहा है शिविर के षष्ठम दिवस बौद्धिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षाविद्,अभिभाषक एवं श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय के ट्रस्टी डॉ.क्षितिज पुरोहित एवं राष्ट्रीयसेवा योजना के जिला संगठक डॉक्टर के.आर. सूर्यवंशी उपस्थित हुए श्री सूर्यवंशी ने शिविरार्थी छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से आपका व्यक्तित्व विकास होता है आपको मन लगाकर के राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में भाग लेना चाहिए आपने समय प्रबंधन और अर्थ प्रबंधन पर भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता शिक्षा विद एवं श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय के ट्रस्टी डॉ. क्षितिज पुरोहित ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया आपने विद्यार्थियों से चर्चा की एवं उनका उत्साह वर्धन किया, आपने भूनिया खेडी गांव का इतिहास बताते हुए कहा कि 1857की क्रांति में इसी स्थान पर अंग्रेजों ने क्रांतिकारीयो को गोलियों से भून दिया था इसी कारण इस गांव का नाम भूनियाखेड़ी पड़ा, आपने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि शिविर में जो कुछ आपने सिखा उसे अपने जीवन में उतारे और आस पास के लोगों को भी सिखाए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार कौशिक ने गतिविधि की जानकारी देते हुए बताया कि आज गुराडिया नाका स्थित बालाजी मंदिर पर शिविरार्थियों ने श्रमदान किया एवं मंदिर परिसर के साफ सफाई की, इस अवसर पर श्री सुनील कुमार बडोदिया ने भी शिविरार्थियों को संबोधित किया। प्रो.चंचल शर्मा ने रासेयो स्वयंसेविका को आत्मरक्षा के गुरु सिखाए। अतिथियों का स्वागत कोर ग्रुप के स्वयंसेवक चेतना परिहार, साधना राठौर, गायत्री राठौर, रानू बागड़ी , रानू गुर्जर आदि ने किया, रासेयो गीत शिविरार्थी चेतना परिहार, रानू गुर्जर,प्रार्थना जोशी ने प्रस्तुत किया , कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया कार्यक्रम का संचालन शिविरार्थी चेतना परिहार ने किया।

अफीम के खेत में मिला किसान का शव, शरीर पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

मनासा, 30 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आरोग्यधाम भादवा माता और बरड़िया जागीर गांव के बीच स्थित अफीम के खेत पर एक किसान का शव मिला है। मृतक की पहचान मनासा थाना क्षेत्र के बरडिया जागीर निवासी नागेश भील उम्र 45 वर्ष के रूप में हुई है। उसके शरीर पर चोट के निशान है। जिससे हत्या की आशंका जाहिर की जा रही है।

बताया गया है कि नागेश रात को अपने अफीम के खेत की रखवाली के लिए गया था। सुबह जब वह घर नहीं लौटा तो उसकी पत्नी खेत पर गई। वहां उसे नागेश की लाश मिली। मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। मृतक की पत्नी टम्मा बाई ने अपने देवर पर हत्या का आरोप लगाया है। उसने बताया कि उनके पति और देवर के बीच अफीम के लाइसेंस को लेकर विवाद चल रहा था। टम्मा बाई के अनुसार जब वह सुबह खेत पर पहुंची, तो देवर और देवरानी भी वहां आ गए। उन्होंने विवाद करते हुए पति की हत्या का आरोप उस पर लगाया। सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

✻ उठावना ✻

हमारा भतीजा व राजेश, जगदीश (लालू) के अनुज, चेतन, भावेश के भ्राता व आदित्य, आलिंद व पार्थ के काकाजी एवं स्व. गोविंद जी लोगड़ के सुपुत्र ची. कपिल लोगड़ का स्वर्गवास दिनांक 29 मार्च शनिवार को हो गया है। जिसका उठावना आज दिनांक 31 मार्च 2025 सोमवार को दोपहर 2.30बजे श्री वर्द्धमान धर्मशाला मनासा पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
प्रहलाद, गोपाल एवं लोगड़ परिवार मनासा

राजकुमार गुप्ता, एड०होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 145/2025 दिनांक 29.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा रामनारायण पिता गोर्धन बलाई, निवासी ग्राम-पतलासीकला, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान जो भूमि सर्वे क्रं. 603, भूखंड संख्यांक 201, पटवारी हल्का नं. 00104 पर दर्ज होकर पता- ग्राम-पतलासीकला, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एमपी 15आईजीआर17872025ए100178216, दिनांक 28.03.2025 से मेरे पक्षकार रेखाबाई पति रामनारायण बलाई, निवासी-ग्राम-पतलासीकला, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-रूकमणबाई बलाई का मकान, पश्चिम में-कचरीबाई पति मोहनलाल का प्लांट, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-शंकरलाल पिता भेरुजी का मकान, पैमाईश रकबा-35 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in